

## अनुक्रमः

| विषय                        | पृष्ठसंख्या |
|-----------------------------|-------------|
| प्राक्कथनम्                 | iii         |
| नव्यं संस्कृतकाव्यम्        | vii         |
| १. तदेव गगनं सैव धरा        | ३           |
| २. भारतजननी                 | ९           |
| ३. उज्जयिनी जयते            | ११          |
| ४. सिन्धु सर्वहिता          | १५          |
| ५. भारतम्                   | १७          |
| ६. रक्ष तद् भारतम्          | १९          |
| ७. रामो याति वनम्           | २७          |
| ८. भारतभूतये                | २९          |
| ९. जयति संस्कृतभारती        | ३१          |
| १०. शङ्कर तव भाषितं विजयते  | ३५          |
| ११. मध्यप्रदेश जय हे !      | ३७          |
| १२. नवजीवन-संस्कारमहत्त्वम् | ३९          |
| १३. परम्परा                 | ४३          |
| १४. सेवाव्रतम्              | ४५          |
| १५. प्रियदर्शिनी            | ५१          |
| १६. पुरुषार्थसंहिता         | ५३          |
| १७. सुरभिपाटलम्             | ५७          |
| १८. अपि जानीषे              | ५९          |
| १९. शिमला                   | ६३          |
| २०. शान्तिवाचनम्            | ६७          |
| २१. जटिला परम्परा           | ७१          |
| २२. कतमा कविता              | ७५          |

| विषय                 | पृष्ठसंख्या |
|----------------------|-------------|
| २३. सुपरिचिते पथि    | ७९          |
| २४. आधुनिके जीवने    | ८५          |
| २५. उटजं भवतु        | ९१          |
| २६. प्रतारिता वयम्   | ९५          |
| २७. मलिनतामयते       | ९७          |
| २८. वचनवैशसम्        | १०१         |
| २९. चेतना विलीयते    | १०५         |
| ३०. यातनायतनम्       | १०९         |
| ३१. जीवनेऽधुनातने    | ११३         |
| ३२. किं मधुना        | ११५         |
| ३३. विज्ञाननौका      | ११९         |
| ३४. पाहि मुकुन्द हरे | १२३         |
| ३५. विपत्रिता        | १२९         |
| ३६. सविता गगने       | १३३         |
| ३७. नवा कविता        | १३७         |
| ३८. न जाने           | १४१         |
| ३९. केवलं द्वे नयने  | १४३         |
| ४०. रजनी-नीरवता      | १४९         |
| ४१. तव मुकुलितनयने   | १५५         |